GOOD.
GOD.
GOSPEL.

यीशु एक सदि्ध आदर्श था उस बातचीत के लिए जो हमें उद्धार की ओर ले जाता है| वह हर एक व्यक्ति के प्रति रूचि और उसके प्रति ध्यान रखने वाले थे| जो बातें अक्सर यीशु लोगों के साथ करते थे वह इन तत्वों से जुडी और बनी होती थी|

अच्छा अच्छा सुसमाचार

अच्छा
यीशु एक अच्छी बातचीत से शुरुआत करेंगे|
एक अच्छी बातचीत करें| किसी व्यक्ति में रूचि लें और उसे उत्साहित करें| गम्भीर और दयालु बनें| प्रश्नों को पूछें और उनसे बातचीत करने वाले बनें| हर एक व्यक्ति चाहता है कि उस पर ध्यान दिया जाए, उसकी देखभाल की जाए और उससे प्यार किया जाए|आप हर जगह पर जहाँ भी हों अच्छी बातचीत के लिए कुशल बनें|

परमेश्वर
यीशु एक अच्छी बातचीत को प्रश्नों, टिप्पड़ियों और परमेश्वर के गुणों में बदलना चाहेंगे| उन अवसरों को देखें जिसमें आप परमेश्वर के कामों को उनके जीवन में विस्तार से बखान कर सकें, परमेश्वर के गुणों का बखान, इत्यादि| इसमें संवेदनशील हों कि वार्तालाब कैसे ग्रहण किया गया और यह भी कि उसका प्रतिउत्तर कैसा आया, और यदि कोई परमेश्वर के बारे में और बात करने को तैयार हो| यदि नहीं, तो अच्छी बातचीत करते रहें, समय समय पर परमेश्वर की बात जोड़ें और अपने प्रयास की तत्परता और उनकी ग्रहणशीलता के लिए प्रार्थना करें|

सुसमाचार
यीशु अपने उद्धार के बारे में परमेश्वर की बातचीत को सत्य में बदल देंगे| उस तरीके को खोजें जिसमें आप परमेश्वर की बातचीत को खास तौर पर उद्धार की बातचीत से जोड़ सकें| यह साझा करने का प्रयास करें कि आपको यीशु के लिए अपनी आवश्यकता का पता कैसे चला, उसने आपका जीवन कैसे बदला, या आपने उसे दूसरों का जीवन बदलते हुए कैसे देखा| एक आशाजनक परिणाम है यीशु के इस संसार में जन्म, क्रूस पर चढ़ाया जाना और यीशु के जी उठने के बारे में सुसमाचार वार्तालाप करना जो हमारे उद्धार के लिए केवल एकमात्र मार्ग प्रदान करता है| चित्रित रूप से साझा करने के लिए सरल सुसमाचार चित्रों का भी इस्तेमाल करें|

और अधिक संसाधन:
goodgodgospel.com

© GOOD.GOD.GOSPEL.

GOOD.
GOD.
GOSPEL.

एक सुसमाचार वार्तालाब–

निर्माण उत्पत्ति 1:1
सुन्दरता। परमेश्वर अपने प्रेम और उपस्थिति को दर्शाने के लिए सभी चीजों को सुन्दर बनाता है। परमेश्वर लोगों को अपने प्रेम को दर्शाने अपने प्रेम के प्रतिउत्तर के लिए बनाता है। परमेश्वर की रचना में अच्छाई के आलावा और कुछ नहीं है।

गिरना रोमियों 3:23
टूटना। लोग परमेश्वर के स्थान पर स्वयं को चुनते हैं। पाप प्रवेश करता है और लोगों के सम्बन्ध परमेश्वर के साथ, स्वयं के साथ, दूसरों और संसार के साथ विकृत (खराब) कर देता है। उसमें टूटना प्रवेश होता है और परमेश्वर के द्वारा बनाई हुई वास्तवित, सुन्दर संरचना को प्रभावित कर देता है।

कार्य इफिसियों 2:8-9
लोग अपने कार्यों और अपने तरीकों से परमेश्वर के साथ अपने रिश्ते को सुधारने का प्रयास करते हैं। परन्तु पाप में लिप्त लोग स्वयं से पवित्र परमेश्वर के साथ समंध को सुधार और मेले मिलाप नहीं कर सकते है। परमेश्वर के अनुग्रहित हस्तक्षेप के बिना लोग निराश हैं।

मनुष्य के समान जन्म तीतुस 2:11
परमेश्वर लोगों से प्रेम करते हैं, इसलिए वह स्वयं के बनाये संसार में शारीर में प्रवेश करता है, उसका जन्म हुआ क्यूंकि हमने जन्म लिया था, इसलिए कि वह हमारे बदले स्वयं को दे सके। लोग परमेश्वर के पास नहीं पहुँच सकते हैं, इसलिए परमेश्वर हमारे पास आए।

सूली पर चढ़ाया जाना 2 कुरिंथियों 5:21
चूंकि परमेश्वर संसार से प्रेम करता है, उसने अपने एकमात्र लौते पुत्र को भेजा, परमेश्वरत्व और मनुश्यतत्व दोनों में, हमारे पापों के बदले में खड़े होने और क्रूस पर मरने के लिए। यीशु को कष्ट हुआ क्यूंकि हम कष्ट सहते हैं। और यीशु मरा क्यूंकि हम मरते हैं।

पुनरुत्थान (जी उठना) 1 कुरन्थियों 6:14
जीवन मृत्यु से भी अधिक शक्तिशाली है। समस्त जीवन का अनिर्मित रचईता अपनी स्वयं की सामर्थ के द्वारा मृत्यु से जी उठा। यीशु उन सभी के लिए मृत्यु पर विजय प्राप्त करते हैं जो उसे और उनकी ओर से उसका पुनरुत्थान को प्राप्त करेंगे। वह वापस जीवित हो उठा क्यूंकि हम ऐसा नहीं कर सके।

उद्धार रोमियों 10:9-10
यीशु ने लोगों के परमेश्वर के साथ टूटे हुए रिश्ते को सुधारा और वह अपनी आत्मा उन सभी के भीतर रहने के लिए देता है जो उस पर प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में विश्वास करते हैं। यीशु में सच्चा विश्वास उसकी आत्मा द्वारा सशक्त एक नए जीवन से शुरू होता है, और यह नया जीवन अभी शुरू होता है और हमेशा के लिए रहता है।

पुनरआगमन 1 थिस्सलुनीकियों 4:14-18
यीशु एक दिन हमारे उद्धार को पूरा करने के लिए आएंगे और सभी चीजों को उनकी मूल, सुंदर स्थिति में बहाल करेंगे जैसा कि पाप के दुनिया में प्रवेश करने से पहले था। हम प्रतिदिन यीशु के अनुसरण के द्वारा, उसके पुनरागमन की आशा में आगे बढ़ते हैं।